Page:
Date:

Information through Local Source or correspondents → इस रीति के अन्तर्गत अनुसन्धानकर्त्ता द्वारा विभिन्न स्थानों पर, स्थानीय व्यक्ति या सम्वाददाता नियुक्त कर दिये जाते है जो समय समय पर अपने अनुभवों के आधार पर अनुमानत: सूचनाऐं भेजते रहते है।

(A) सूचको द्वारा प्रश्नावली भरवाकर सूचना प्राप्त करना

Information through questionnaire to be filled in by ~~informants~~ informants—

इस रीति को "डाक-प्रश्नावली प्रणाली" भी कहते है इस रीति में अनुसन्धानकर्त्ता जांच से सम्बन्धित प्रश्नो की एक सूचि (प्रश्नावली) तैयार करता है फिर एक-2 प्रति सूचको के पास डाक से भिजवा दी जाती है। जो उनके उत्तर भरकर निश्चित तिथि तक वापस लौटा देते है

(5) Schedules Sent Through Enumerators (प्रगणको द्वारा अनुसूचिया भिजवाना) → अनुसूचि एक ऐसा प्रपत्र (Form) है जिसकी पूर्ति प्रगणक (Enumerators) करता है किन्तु प्रश्नो के उत्तर सूचक से ही पूछ-ताछ

Scanned by CamScanner

कर भरे जाते हैं, इस रीति के अनुसार अनुसन्धानकर्ता द्वारा नियुक्त किये गये प्रगणक, अपने-2 क्षेत्र में अनुसूचियाँ लेकर घर-2 जाते हैं और सूचकों से व्यक्तिगत रूप से प्रश्न पूछकर, उनके उत्तर दर्ज कर लेते हैं।

द्वितीयक संमको के स्रोत
(Sources of Secondary data)

द्वितीयक संमको के निम्न दो स्रोत हो सकते हैं-

(A) **प्रकाशित स्रोत (Published Sources)**-

विभिन्न विषयो पर सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएँ अथवा व्यक्ति, प्राथमिक अनुसन्धान द्वारा प्राप्त संमको को समय-2 पर प्रकाशित करते रहते है इनका प्रयोग प्रायः अन्य लोगो द्वारा द्वितीयक संमको (सामग्री) के रूप में किया जाता है। प्रकाशित संमको के स्रोत इस प्रकार है-

(i) अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन
(ii) सरकारी प्रकाशन

Scanned by CamScanner

Page: ______
Date: __ , __ , __

(iii) अर्द्ध सरकारी प्रकाशन

(iv) आयोगो व समीतियों के प्रतिवेदन

(v) अनुसन्धान व शोध संस्थाओं के प्रकाशन

(vi) व्यापारिक व वित्तीय संस्थाओ के प्रकाशन

(vii) समाचार पत्र तथा पत्रिकाएं

(B) अप्रकाशित स्रोत (Unpublished Sources)

कुछ ऐसी सांख्यिकीय सामग्री भी होती है जिसका विधिवत प्रकाशन नही हो पाता किन्तु इनका प्रयोग करना काफी उपयोगी होता है- जैसे प्राध्यापकों द्वारा किये गये शोध कार्य, कॉलेजो के रिकार्ड आदि।

Scanned by CamScanner

Page:
Date:

Census and Sample investigation
(संगणना तथा प्रतिदर्श अनुसन्धान)

सांख्यिकीय व शैक्षिक अनुसन्धान का आयोजन करते समय एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि अनुसन्धान का स्वरूप या प्रकार (Type) क्या हो ? अर्थात् संमको का संकलन संगणना अनुसन्धान (Census investigation) किया जाये या प्रतिदर्श अनुसन्धान (Sample investigation) के आधार पर

समग्र या समष्टि (Universe) → समग्र

से अभिप्राय अनुसन्धान के लिए निर्धारित उस समस्त क्षेत्र है जिसके बारे में जानकारी प्राप्त करनी होती है। ध्यान रहे समग्र का आकार अनुसन्धान के उद्देश्य एवं क्षेत्र पर निर्भर करता है।

समग्र के प्रकार :- (Types of Universe)

समग्र दो प्रकार का हो सकता है-

(A) परिमित समग्र (Finite Universe) :-

परिमित समग्र वह होता है जिसमें इकाइयों की संख्या सुनिश्चित है।

Scanned by CamScanner